A-0422

Total Pages : 4 **Roll No. ----------**

DPJ-104

मुहूर्त विचार

Diploma in Phalit Jyotish (DPJ)

1st Year, Examination 2024 (Dec.)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

खण्ड–'क'

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

Q.1. मुहूर्त का वैज्ञानिक आधार क्या है? मुहूर्त क्यों आवश्यक है।? प्रकाश डालें।

Q.2. नामकरण मुहूर्त का परिचय प्रदान करते हुए मानव जीवन में उपयोगिता सिद्ध करें।

Q.3. सीमन्तोनयन मुहूर्त की वैज्ञानिकता क्या है? स्पष्ट करें।

Q.4. गृहारम्भ मुहूर्त का विस्तार से उल्लेख करें।

Q.5. मूर्ति प्रतिष्ठा के मुहूर्त का उल्लेख करते हुए बताएं कि मूर्ति प्रतिष्ठा क्यों आवश्यक है।

खण्ड–'ख'

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. अन्नप्राशन संस्कार पर प्रकाश डालें।

Q.2. जीर्ण कूपारम्भ मुहूर्त की विवेचना करें।

Q.3. जलाशय मुहूर्त की आवश्यकता पर प्रकाश डालें।

Q.4. चौघड़िया मुहूर्त की उपयोगिता सिद्व करें।

Q.5. होरा मुहूर्त का अर्थ स्पष्ट करते हुए उपयोगिता सिद्ध करें।

Q.6. द्वार स्थापना मुहूर्त को लिखिए।

P.T.O.

Q.7. क्रय मुहूर्त के विषय में उल्लेख करें।

Q.8. कर्णवेध की वैज्ञानिकता का आधार स्पष्ट करें।

****